

खबर संक्षेप

एक दिवसीय अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन कल

उमरिया। प्राचार्य आईटीआई उमरिया ने बताया कि आईटीआई उमरिया में एक दिवसीय अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन 5 अगस्त को 9.30 बजे से किया गया है। मेले में सुजुकी प्राईवेट लिमि0, एलटीडी हंसलपुर गुजरात की कंपनी शामिल होगी। शैक्षिक योग्यता आईटीआई उत्तीर्ण पुरुष अभ्यर्थी निर्धारित की गई है। आयु 18-24 वर्ष होनी चाहिए। स्टाइपेण्ड - 21200 रुपये (अप्रेंटिसशिप) एवं 28300 (एफटीसी 36माह) प्रतिमाह स्टाइपेन्ड एवं अन्य सुविधाएं प्राप्त होगी। उन्होंने कहा है कि अभ्यर्थी अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों एवं बायोडाटा /सीवी / रिय्यूम सहित 5 अगस्त को प्रातः 9.30 बजे साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो सकते है।अप्रेंटिसशिप हेतु भर्ती, अप्रेंटिसशिप नियमों एवं कंपनियों के शर्तों अनुमार की जाएगी। अप्रेंटिसशिप मेले में प्रतिभागिता हेतु यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

कोतमा पुलिस का जुआरियों पर शिकंजा
कोतमा। जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतमा पुलिस ने जुआरियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ही दिन में दो अलग-अलग स्थानों पर संचालित जुआ फड़ों पर दबिश देकर कुल आठ आरोपियों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दोनों फड़ों से कुल 3 हजार रुपये नकद और 104 ताश के पत्ते जब्त किए हैं। पुलिस अधीक्षक विक्रान्त मुराव के निदेशान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम तथा एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के मार्गदर्शन में थाना कोतमा पुलिस ने यह कार्रवाई की। पहली कार्रवाई में मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर 2 अगस्त को पुलिस टीम ने वार्ड क्रमांक-10 में सिया मनी दुबे के घर के पास दबिश दी। यहां चार लोग ताश के पत्तों पर रुपये-पैसों का दांव लगाते हुए मिले, जिन्हें मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में देवशरण यादव, बद्रीनारायण प्रजापति, मोहम्मद हुसैन और अनिल कुमार बैरागी शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से 1,400 रुपये नकद और 52 ताश के पत्ते जब्त किए। दूसरी कार्रवाई में वार्ड क्रमांक-10 विकास नगर स्थित तहसील के पास चल रहे एक अन्य जुआ फड़ पर भी पुलिस ने छापेमार कार्रवाई की। यहां भी चार आरोपी ताश के पत्तों पर दांव लगाते हुए रंगेहाथ पकड़े गए। गिरफ्तार आरोपियों में संतोष कुमार पनिका, रामकुमार यादव, दिनेश कुमार पनिका तथा मोहम्मद सलीम शामिल हैं। इनके कब्जे से 1,600 रुपये नकद और 52 ताश के पत्ते बरामद किए गए। दोनों मामलों में पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध जुआ एक्ट की धारा 13 के तहत अलग-अलग प्रकरण दायर कर चर्च कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पूरी कार्रवाई थाना प्रभारी निरीक्षक रत्नाराम शुक्ल के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई में प्रधान आरक्षक राम खेलावन यादव, प्रधान आरक्षक दिनेश राठौर, प्रधान आरक्षक ज्ञानेंद्र पासी तथा आरक्षक अनिल मरावी की विशेष भूमिका रही।

सावन के पहले सोमवार शिवमय हुआ कोतमा, भोलेनाथ के जयकारों से गूँजे मंदिर

कोतमा। श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आया। सुबह बहममुहूर्त से ही शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। हर ओर घंर-घंर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष गूंजते रहे। महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने भगवान शिव के दर्शन कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। नगर के ठाकुर बाबा धाम पंचायती मंदिर, धर्मशाला मंदिर, शिव सागर धाम, गौरीशंकर मंदिर, वार्ड क्रमांक-4 स्थित शिव मंदिर, शक्ति परिसर शिव मंदिर, बूढ़ी माता मंदिर, लहसुई कैप स्थित शारदा काली मंदिर, रेस्ट हाउस रोड तथा विकास नगर शिव मंदिर सहित सभी प्रमुख शिवालयों में सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। महिलाओं ने भगवान भोलेनाथ का जल, दूध और पंचामृत से अभिषेक कर बेलपत्र, धतूरा, भांग, दूब, पुष्प एवं फल अर्पित किए। सुहागिन महिलाओं ने परिवार की सुख-समृद्धि और अखंड सोभाग्य की कामना की, वहीं कुंवारी कन्याओं ने मनवाहे वर की प्राप्ति के लिए सावन सोमवार का व्रत रखकर श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। ठाकुर बाबा धाम मंदिर में श्रद्धालुओं की सहभागिता से असीम शक्ति का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में शिवमयत शामिल हुए। नगर के विभिन्न मंदिरों में शिव वालीसा पाठ, अजन-कीर्तन और आरती का आयोजन भी हुआ, जिससे पूरा वातावरण भक्तिरस से ओत-प्रोत हो गया। सिर्फ मंदिरों में ही नहीं, बल्कि घर-घर में भी श्रद्धालुओं ने मिट्टी के पांशिव शिवलिंग बनाकर विधि-विधान से अभिषेक और पूजन किया। दिनभर नगर का माहौल पूरी तरह शिवमय रहा और हर गली-मोहल्ले में भगवान भोलेनाथ के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं का उत्साह देर रात तक बना रहा, जिससे कोतमा में सावन के प्रथम सोमवार का पर्व आस्था, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

श्रावण के प्रथम सोमवार अमरकंटक में उमड़ा आस्था का सैलाब

अमरकंटक। देवाधिदेव भगवान शिव को समर्पित पवन श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक में आस्था का अद्भुत सैलाब उमड़ पड़ा। ब्रह्ममुहूर्त से ही मां नर्मदा उद्गम मंदिर, प्राचीन शिवालयों और अन्य धार्मिक स्थलों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। हर-हर महादेव और बोल बम के गगनभेदी जयघोष से पूरा क्षेत्र शिवमय हो उठा। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित देश के विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालु अमरकंटक पहुंचे। श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा उद्गम कुंड में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर पवित्र नर्मदा का कांवड़ में भरा और पैदल यात्रा करते हुए ज्वालेश्वर धाम के लिए रवाना हुए। पूरे मार्ग में कांवड़ियों की टोलियां भजन-कीर्तन करती हुई शिवभक्ति में सराबोर दिखाई दीं। विंध्य और सतपुड़ा पर्वतमालाओं के



मध्य स्थित अमरकंटक को मां नर्मदा की जन्मस्थली होने का गौरव प्राप्त है। धार्मिक मान्यता है कि नर्मदा का जल स्वयं सिद्ध, पवित्र और मोक्षदायी माना जाता है। श्रावण मास में यहां से जल लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक करने का विशेष महत्व है। इसी आस्था के कारण हर वर्ष लाखों श्रद्धालु अपनी कांवड़ यात्रा की शुरुआत अमरकंटक से करते हैं। नर्मदा उद्गम से जल भरने के बाद श्रद्धालु कई किलोमीटर की पैदल यात्रा कर प्राचीन ज्वालेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे, जहां भगवान शिव का जलाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और मंगल की कामना की। यात्रा मार्ग में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा सेवा शिविर लगाए गए, जहां कांवड़ यात्रियों के लिए पेयजल, शराबत, फल, चिकित्सा सहायता और विश्राम की व्यवस्था की गई।

श्रावण मास में अमरकंटक आने वाले श्रद्धालुओं में छत्तीसगढ़ के कांवड़ यात्रियों की संख्या सबसे अधिक देखने को मिली। पेंड़ा, गोरैला, मरवाही, विलासपुर, कोरबा, रायगढ़ सहित अनेक जिलों से श्रद्धालु जत्थों के रूप में पहुंचे और मां नर्मदा का जल लेकर ज्वालेश्वर महादेव में जलाभिषेक किया। श्रावण के प्रथम सोमवार पर मां नर्मदा मंदिर, ज्वालेश्वर महादेव, श्री यंत्र मंदिर सहित क्षेत्र के सभी प्रमुख शिवालयों में विशेष पूजन, रुद्राभिषेक और शिव आराधना का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, धतूरा, भांग, पुष्प और नर्मदा जल अर्पित कर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। दिनभर मंदिरों में दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से अमरकंटक के बाजारों में भी अच्छी चहल-पहल रही। प्रसाद, फूल-माला, पूजन

मां नर्मदा उद्गम से कांवड़ में जल भर हजारों श्रद्धालु पहुंचे ज्वालेश्वर धाम

सामग्री, कांवड़, धार्मिक वस्तुओं और खान-पान की दुकानों पर दिनभर खरीदारों की भीड़ लगी रही। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि श्रावण मास उनके व्यापार का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलती है। श्रावण के प्रथम सोमवार पर अमरकंटक में श्रद्धा, भक्ति और भारतीय सनातन संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। मां नर्मदा उद्गम से ज्वालेश्वर धाम तक कांवड़ यात्रियों की आस्था, सेवा शिवियों की व्यवस्था और भक्तिमय वातावरण ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। यह धार्मिक महापर्व न केवल श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना, बल्कि अमरकंटक के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन में भी नई ऊर्जा का संचार का गया।

मानपुर में ‘पंचायती माल’ पर विधायकजी की बल्ले-बल्ले !

विकास छोड़ महोत्सव मनाने में व्यस्त तंत्र !



जनता के खून-पसीने पर चमकाई जा रही सियासत: रोशनी

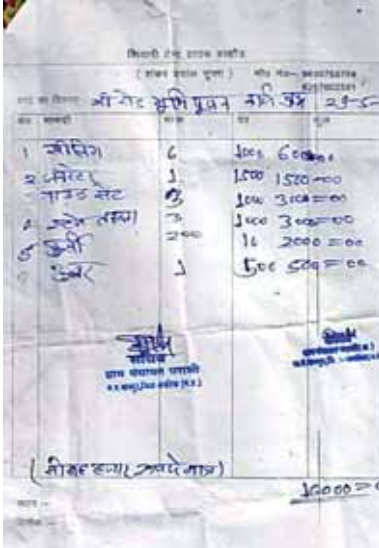
मानपुर। गांव में भले ही सड़कें गड़बों में तब्दील हो चुकी हों, प्यास बुझाने के लिए नल सूखे पड़े हों और आंगनवाड़ी के जर्जर भवन किसी हादसे का इंतजार कर रहे हों—लेकिन हुजूर! सरकार और उनके प्रतिनिधियों का दिखावा उत्सव रकना नहीं चाहिए। मानपुर विधानसभा क्षेत्र से एक ऐसा ही चौंकाने वाला और शर्मनाक मामला सामने आया है, जहां जनता के खून-पसीने की गाढ़ी कमाई से मिलने वाले ग्राम पंचायत के बजट का इस्तेमाल गांव के विकास में नहीं, बल्कि नेताओं की आवभगत, टेंट के तंबू और चाय-नाश्ते के शाही ठाठ में उड़ाया जा रहा है। इस सरकारी फिजूलखर्ची और सियासी ढोंग के खिलाफ जनपद सदस्य रोशनी सिंह ने खुला मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने क्षेत्रीय विधायक मोना सिंह और स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर सीधा तीखा वार करते हुए कहा यह भूमि पूजन नहीं, बल्कि जनता के पैसें पर खुल्लम-खुल्ला राजनीतिक डकैती और आत्ममुग्धता का नंगा नाच है, जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

‘विधायकजी का दबाव, सरपंच-सचिव लाचार!’

जनपद सदस्य रोशनी सिंह ने आरोप लगाया है कि मानपुर एवं पाली जनपद पंचायत क्षेत्र में इन दिनों विकास कार्य कम और आयोजनों का तमाशा ज्यादा हो रहा है। क्षेत्रीय विधायक मीना सिंह द्वारा मानपुर और पाली के सरपंचों-सचिवों पर लगातार यह दबाव बनाया जाता है कि पंचायत के हर छोटे-बड़े निर्माण कार्य का फीता उन्हीं के हाथों कटनी चाहिए। रोशनी सिंह ने तंज कसते हुए सवाल दमा कि जब निर्माण कार्य के लिए फूटी कौड़ी भी विधायक निधि से नहीं आ रही है और पूरा पैसा ग्राम पंचायत का है, तो फिर पंचायतों को टेंट, चकाचौंध लाइट, लाउडस्पीकर, फूलों के हार और लजीज नाश्ते पर हजारों रुपये फूंकने के लिए क्यों मजबूर किया जा रहा है? क्या पंचायतों का काम गांव का विकास करना है या फिर नेताओं के राजनीतिक एजेंडे को चमकाना?

43 हजार का शाही तमाशा

इस सियासी तमाशे का सबसे ताजा और ज्वलंत उदाहरण जनपद पंचायत मानपुर की ग्राम पंचायत परासी में देखने को मिला है। सोशल मीडिया पर



वायरल हो रहे आंकड़ों के मुताबिक, एक मामूली सी सीसी रोड के भूमि पूजन कार्यक्रम के नाम पर ही पंचायत के खजाने से करीब 43 हजार रुपये हवा में उड़ा दिए गए। यदि यह विवरण शत-प्रतिशत सही है, तो यह लोकतंत्र और जनहित के नाम पर सबसे बड़ा तमाचा है। जनता यह पूछने का हक रखती है कि जिस सड़क को बनाने का मकसद ग्रामीणों को कीचड़ से निजात दिलाना था, उस सड़क के बनने से पहले ही 43 हजार रुपये नेताओं के आवभगत और स्वागत-सत्कार की बलि चढ़ा दिए गए। क्या यह जनता के पैसे की खुली लूट नहीं है?

गांवों की सूरत बदहाल, हुक्मरानों के ठाठ बेमिसाल

आज मानपुर विधानसभा के ग्रामीण इलाकों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। गांव-गांव की सड़कें पूरी तरह जर्जर हैं, राहगीर जान हथेली पर रखकर



चलने को मजबूर हैं। भीषण गर्मी हो या बरसात, साफ पानी के लिए ग्रामीण तरस रहे हैं। आंगनवाड़ी भवन ढहने की कगार पर हैं, नालियों के अभाव में गंदगी पसरी है। एक तरफ जहां बुनियादी सुविधाओं के नाम पर पंचायतें बजट नहीं है का रोना रोती हैं, वहीं दूसरी तरफ वही पंचायतें एक ही झटके में नेताजी के स्वागत के लिए हजारों रुपये टेंट-साउंड वालों के हवाले कर देती हैं। रोशनी सिंह ने कहा कि जब गांवों में लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं, तब शासकीय धन का ऐसा निर्लज्ज प्रदर्शन सीधे-सीधे जनता के साथ अन्याय और धोखेबाजी है।

वरिष्ठ नागरिकों से कराएं भूमि पूजन

जनपद सदस्य रोशनी सिंह ने एक बेहद व्यावहारिक और कड़ा सुझाव देते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों के निर्माण कार्यों का भूमि पूजन कराने के लिए किसी वीआईपी या बड़े नेता की बिल्कुल जरूरत नहीं है। भूमि पूजन गांव के किसी वरिष्ठ सामाजिक व्यक्ति, बुजुर्ग सम्मानित नागरिक या स्थानीय जनप्रतिनिधि से सादगी से कराया जा सकता है। ऐसा करने

से स्वागत-सत्कार के नाम पर बर्बाद होने वाले हजारों रुपये बचेंगे। यही बचा हुआ पैसा गांव की जर्जर सड़कों की मरम्मत, मुरुम बिछाने, नालियों को दुरुस्त करने और पेयजल व्यवस्था सुधारने में काम आ सकेगा। रोशनी सिंह ने चेतावनी भरे लहजे में स्पष्ट कर दिया है कि जनता के पैसें पर चलने वाला यह ‘राजनीतिक सर्कस’ अब तुरंत बंद होना चाहिए, वरना इसके खिलाफ सड़कों पर उतरकर जनांदोलन खड़ा किया जाएगा।

इनका कहना है...

मैं जिला प्रशासन से मांग करती हूँ कि पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, भूमि पूजन कार्यक्रमों में हुए खर्च की वित्तीय जांच कराई जाए और यदि शासकीय राशि का दुरुपयोग पाया जाता है तो दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। जनता के टैक्स का पैसा जनता के विकास पर खर्च होना चाहिए, किसी के राजनीतिक प्रचार पर नहीं।
रोशनी सिंह
कांग्रेस नेत्री
जनपद सदस्य, मानपुर



मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान से जन आकांक्षाएं होंगी पूरी: कलेक्टर

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के संबंध में अधिकारियों को दिए निर्देश

उमरिया। कलेक्टर के सभागा में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। यह अभियान शासन की उच्च प्राथमिकता का अभियान है। अभियान के दौरान सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई तथा लोक सेवा गारंटी योजना में लंबित आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। अभियान 7 अगस्त से 8 जनवरी तक प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होगा। शुक्रवार को किसी भी अधिकारी और कर्मचारी को अवकाश नहीं दिया जाएगा। अभियान के लिए विकासखण्डवार तथा क्लस्टरवार स्थान और दिन निर्धारित किए जा रहे हैं। जिला और विकासखण्ड स्तर के अधिकारी एक बस से शिविर में जाएंगे। संबंधित अधिकारी सात दिन में शिकायतों का अनिवार्य रूप से निराकरण कराएं। शिविर में जिला और खण्ड स्तर के सभी

अधिकारी उपस्थित रहेंगे। शिविर में शामिल होने के साथ-साथ सभी जिला अधिकारी अपने अधीनस्थ कार्यालयों का निरीक्षण करके प्रतिवेदन देंगे। शिविर के दौरान आसपास के स्कूलों, आंगनवाड़ी केन्द्र, छात्रावास, अस्पतालों, उचित मूल्य दुकानों आदि का भी निरीक्षण होगा। शिविर में जनसंवाद के साथ-साथ उद्योग संवाद का भी आयोजन किया जाएगा। स्वरोजगार तथा उद्यमों की स्थापना से जुड़े विभाग हितग्राहियों से संवाद करके पात्र हितग्राहियों के आवेदन पत्र भरवाएंगे। कलेक्टर ने कहा कि शिविर में आधार कार्ड, समग्र पंजीयन, फार्मर आईडी बनाने तथा आयुष्मान कार्ड बनाने की भी व्यवस्था रहेगी। संबंधित अधिकारी इसके लिए समुचित प्रबंध करें। प्रत्येक शुक्रवार को सभी अधिकारी क्षेत्र के भ्रमण पर रहेंगे। सभी एसडीएम तथा तहसीलदार सीएम हेल्पलाइन में लंबित राजस्व प्रकरणों की सूची बना लें। इनकी सुनवाई करके सात दिवस में निराकरण करें। सीमांकन, बेदखली तथा नक्शा और खसरा सुधार के आदेशों का शत-प्रतिशत

अमल कराएं। अविवादित नामांतरण, अविवादित बंटवारे और सीमांकन के सभी प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। अभियान के दौरान ग्राम पंचायतों तथा नगरों की साफ-सफाई की भी मानीटरिंग की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि अभियान की हर सप्ताह समीक्षा होगी। लंबित आवेदनों का निराकरण पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। इस अभियान के माध्यम से आमजनता की आंकाक्षाएं पूरी होंगी। विकासखण्ड स्तर और ग्राम स्तर पर शासकीय कार्यालयों का डिलेवरी सिस्टम बेहतर होगा। नियमित भ्रमण और मानीटरिंग से शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं के परिणाम बेहतर होंगे। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभय ने अभियान से जुड़े प्रमुख बिन्दुओं की जानकारी दी। बैठक में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव, प्रिया अग्रवाल तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।



29 वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों का हुआ विशेष सम्मान

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन का 29वाँ स्थापना दिवस समारोह सोमवार को शिक्षा, संस्कृति, आध्यात्मिकता और समर्पण के अद्भुत संगम के रूप में संपन्न हुआ। विद्यालय परिसर के हंसवाहिनी सभागार में आयोजित इस गरिमामयी समारोह में संत-महात्माओं, जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, अभिभावकों, पत्रकारों तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10 बजे मुख्य अतिथियों के स्वागत, कौप प्रचलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। कनिष्ठ छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत नृत्य ने समारोह में उल्लास और सौंदर्य का वातावरण निर्मित कर दिया। स्थापना दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने बेलीगुड मिक्स डांस, पंजाबी लोकनृत्य, समूह गीत तथा ‘तानाजी’ नृत्य-नाटिका प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। वरिष्ठ विद्यार्थियों की नाट्य प्रस्तुति ने राष्ट्रभक्ति, साहस और स्वाभिमान का संदेश दिया, जबकि जगन्नाथ अष्टकम की सांग्रहिक प्रस्तुति ने पूरे सभागार को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि परम तपस्वी वीतराग बाबा कल्याण दास जी महाराज ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि “यह संस्थान लगभग 28 वर्ष पूर्व एक संकल्प के रूप में स्थापित किया गया था। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण करना है। हमें ऐसा भारत बनाना है जिसे पुनः कभी गुलामी का दर्शन न झेलना पड़े।” उन्होंने विद्यार्थियों से ज्ञान, चरित्र, अनुशासन और सेवा भाव को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज, प्रबंध व्यासी कल्याण सेवा आश्रम अमरकंटक, ने संस्कारयुक्त शिक्षा को राष्ट्र की वास्तविक शक्ति बताते हुए विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों और मानवता के आदर्शों से जुड़े रहने की प्रेरणा दी। समारोह का सबसे भावुक और प्रेरणादायी क्षण वह रहा जब विद्यालय के वरिष्ठ एवं समर्पित शिक्षकों को स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज के करकमलों द्वारा सम्मानित किया गया। विद्यालय में दीर्घकालीन उत्कृष्ट सेवा एवं शैक्षणिक योगदान के लिए डॉ. श्रीराम त्रिपाठी, डॉ. रामसेवक कुशवाहा, श्रीमती अल्फा शर्मा, श्रीमती पुष्पा सोनी, अविनाश पटनयाक तथा चंदन सिंह को सम्मानित किया गया। विशेष उल्लेखनीय तथ्य



योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यालय आधुनिक शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति के संस्कार प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयत्नशील है। कार्यक्रम में विनोद कार्की, राजेंद्र बिष्ट, रमेश अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, राम सरोवर द्विवेदी (पूर्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी), राधेश्याम उपाध्याय, रणजीत सिंह, प्रकाश द्विवेदी (सांसद प्रतिनिधि अमरकंटक), पवन तिवारी (पार्षद), डॉ. श्रीराम त्रिपाठी (उप प्राचार्य), राम सेवक कुशवाहा (प्राचार्य कल्याणिका महाविद्यालय) सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह का प्रभावशाली मंच संचालन लुड्ढा पल्लवी एवं विवेक सिन्हा ने किया। कार्यक्रम में पत्रकार बंधुओं में धनंजय तिवारी, श्रवण उपाध्याय, उमाशंकर पाण्डेय ‘मुन्नु’, सीमू दुबे सहित अन्य पत्रकारों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी संत-महात्माओं, अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। विनोद कुमार शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया तथा आदर्श श्रीवास्त के नेतृत्व में राष्ट्रपता के साथ समारोह का समापन हुआ। कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन का यह स्थापना दिवस समारोह केवल एक वार्षिकोत्सव नहीं, बल्कि शिक्षा, संस्कार, सेवा, समर्पण और राष्ट्र वेंदना का प्रेरक उत्सव बनकर उपस्थित जनसमूह के हृदय में अमिट छाप छोड़ गया।

खबर संक्षेप

बिजली समस्याओं को लेकर विधायक ने अधीक्षण यंत्री से की मुलाकात
उमरियापान। बड़वारा विधानसभा क्षेत्र में लगातार सामने आ रही विद्युत समस्याओं के समाधान को लेकर विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिले के अधीक्षण यंत्री डी.एन. चौकीकर से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से अधीक्षण यंत्री को अवगत कराया और उनके शीघ्र निराकरण की मांग की। विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि बिजली कटौती एवं अन्य तकनीकी समस्याओं के कारण आमजन और किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए आवश्यक सुधारात्मक कदम जल्द उठाए जाएं। अधीक्षण यंत्री डी.एन. चौकीकर ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासित किया कि संबंधित समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराया जाएगा। इस दौरान पूर्व जिला मंत्री विजय दुबे, पूर्व मंडल अध्यक्ष बसंत चौरसिया, मंडल अध्यक्ष आशीष चौरसिया, नितिन पांडेय, महामंत्री अंकित झारिया, प्रदीप चौरसिया, वैभव चौरसिया एवं यश चौरसिया उपस्थित रहे।

कल तक प्रोफाइल अपडेट कर सत्यापन की कार्यवाही करें पूर्ण

कटनी। पंचायत राज संचालनालय भोपाल द्वारा राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान की प्रगति की समीक्षा के दौरान प्राप्त निर्देशों के अनुक्रम में 5 अगस्त 2026 तक ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर ग्राम पंचायत प्रोफाइल अपडेट कर जनपद पंचायत स्तर से सत्यापन की कार्यवाही पूर्ण किए जाने के निर्देश जिला पंचायत सीओओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए हैं। सुश्री कौर द्वारा जारी निर्देश के मुताबिक जिन ग्राम पंचायतों द्वारा निर्धारित समय सीमा में ग्राम पंचायत प्रोफाइल अपडेट एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण नहीं की जाएगी उनकी जीपीडीपी से संबंधित गतिविधियां अपलोड/प्रविष्टि नहीं हो सकेंगी।

वार्ड-वार्ड पहुंचकर अध्यक्ष यशवंत सिंह करा रहे फॉर्मिंग और केमिकल स्प्रे



बरसात में बीमारियों पर वार, नगर परिषद राजनगर का विशेष अभियान
राजनगर। बरसात के मौसम में मच्छरों और गंदगी से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए नगर परिषद (बनगवां) राजनगर ने विशेष स्वच्छता अभियान तेज कर दिया है। नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह और मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन पनिका स्वयं वार्ड-वार्ड पहुंचकर अभियान की निगरानी कर रहे हैं तथा अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश

डिजिटल रिकॉर्ड प्रणाली से बड़ेगी पारदर्शिता, सुरक्षित होंगे अभिलेख, सेवाएं होंगी सुदृढ़

हरिभूमि न्यूज ► कटनी

प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया विजन तथा प्रदेश शासन की ई-गवर्नेंस नीति को मूर्त रूप देने की दिशा में नगर पालिक निगम कटनी ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देश पर निगम की सभी शाखाओं में वर्षों से संधारित महत्वपूर्ण अभिलेखों, नर्सियों एवं दस्तावेजों का चरणबद्ध डिजिटाइजेशन किया जाएगा। यह पहल नगर निगम की प्रशासनिक कार्यप्रणाली को आधुनिक, पारदर्शी, सुरक्षित एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इसके माध्यम से कार्यालयीन कार्यों में गति आएगी, अभिलेखों का सुरक्षित संंधारण सुनिश्चित होगा तथा नागरिकों को अधिक त्वरित, सुदृढ़ एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

निगमायुक्त के निर्देशानुसार रिकॉर्ड डिजिटलाइजेशन के लिए निगम की सभी शाखाओं से निर्धारित प्रारूप में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस महत्वपूर्ण कार्य की नियमित समीक्षा भी समय-सीमा की बैठकों में की जाएगी, ताकि डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया तय समय-सीमा में प्रभावी ढंग से पूर्ण हो सके।

निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने बताया कि

डिजिटाइजेशन के बाद वर्षों पुराने महत्वपूर्ण अभिलेख सुरक्षित डिजिटल स्वरूप में संरक्षित रहेंगे। किसी भी दस्तावेज की आवश्यकता होने पर उसे कुछ ही समय में खोजकर उपलब्ध कराया जा सकेगा, जिससे कार्यालयीन कार्यों में अनावश्यक विलंब समाप्त होगा और निर्णय प्रक्रिया अधिक प्रभावी एवं समयबद्ध बनेगी। साथ ही अभिलेखों के क्षतिग्रस्त होने, गुम होने अथवा प्राकृतिक आपदाओं से नुकसान की संभावना भी काफी हद तक समाप्त हो जाएगी।निगमायुक्त ने कहा कि डिजिटल रिकॉर्ड व्यवस्था से विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और सूचना का आदान-प्रदान अधिक सरल एवं प्रभावी बनेगी। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने सभी शाखा प्रभारियों को निर्देशित किया है कि रिकॉर्ड डिजिटलाइजेशन से संबंधित जानकारी निर्धारित प्रारूप में शीघ्र उपलब्ध कराएं तथा इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समय-सीमा के भीतर पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

सीएम हेलपलाइन में कोई भी विभाग सी व डी ग्रेड में न रहें: कलेक्टर

समय सीमा के प्रकरणों का नियत तिथि तक निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें- कलेक्टर

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समयसीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेलपलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सीएम हेलपलाइन सहित समय सीमा के प्रकरणों का नियत तिथि तक निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें तथा कोई भी विभाग सी व डी ग्रेड में न रहें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय एवं कमिश्नर से प्राप्त शिकायतों का तत्परता पूर्वक निराकरण कराएं। कोई भी शिकायत अन अटेंडेंट स्थिति में न रहे।

कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक में निर्देश दिए कि विभागीय अधिकारी समन्वय बनाकर शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित



कराएं। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि मूंग खरीदी केंद्र का निरीक्षण करें ताकि वहां से कोई शिकायत न आये। उन्होंने वनाधिकार के पट्टे की खंड स्तरीय समिति की बैठक में अनुशंसा के

उपरांत जिला स्तर पर प्रेषित करने के निर्देश संबंधित एसडीएम को दिए। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने सीएम हेलपलाइन के राजस्व संबंधी प्रकरणों के निराकरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को



प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, डीएफओ विवेक सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक

कुमार शर्मा, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव, प्रिया अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह स्टेडियम ग्राउण्ड में होगा आयोजित



कलेक्टर की अध्यक्षता में तैयारी बैठक संपन्न

उमरिया। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को जिला स्तरीय कार्यक्रम अमर शहीद स्टेडियम ग्राउंड में प्रातः 9 बजे से आयोजित किया जाएगा, इसके पूर्व सभी शासकीय, अशासकीय विभागों, स्कूल एवं महाविद्यालयों , ग्राम पंचायतों, जनपद पंचायतों, नगरीय निकायों में ध्वजारोहण का कार्यक्रम प्रातः 7.30 बजे से आयोजित किया जाएगा । 5 अगस्त से परेड की रिहसिल जिला मुख्यालय स्थित अमर शहीद स्टेडियम ग्राउण्ड में की जाएगी जिसमें सांस्कृतिक

कार्यक्रम में शासकीय अशासकीय स्कूल के बच्चे शामिल होंगे । स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत स्तर पर संबंधित सरपंच , जनपद स्तर पर संबंधित जनपद पंचायत अध्यक्ष तथा नगरीय निकायों में नगरीय निकाय के अध्यक्ष ध्वजारोहण कर सकेंगे। जिन स्थानों में नगरीय निकाय एवं जनपद मुख्यालय है वहां जनपद अध्यक्ष ध्वजारोहण करेंगे। फायनल परेड रिहसिल तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का 13 अगस्त को प्रातः 9 बजे से अंतिम निरीक्षण किया जाएगा ।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर नगरीय क्षेत्रों मे साफ सफाई, ऐतिहासिक महत्व के स्थलों

तथा चौराहों में लाइटिंग तथा देश भक्ति से ओत प्रोत संगीत का वादन किया जाएगा। सभी शासकीय अशासकीय तथा निकायों एवं निगमों के कार्यालय भवनों में एक दिन पूर्व प्रकाश की व्यवस्था की जाएगी। मुख्य समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, सामूहिक पीटी तथा परेड कार्यक्रम के आकर्षण होंगे। मुख्य अतिथि द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का चयन कलेक्टर द्वारा गठित टीम द्वारा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त आमंत्रण कार्ड वितरण, मंच की बैठक व्यवस्था, मंच की साज सज्जा, मैदान की साफ सफाई, विद्युत व्यवस्था, गुब्बारों की व्यवस्था आदि के संबंध में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को दायित्व सौंपे गये है । बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभय अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव, प्रिया अग्रवाल तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।



वंदेमातरम के गायन के साथ की गई शासकीय कामकाज की शुरुआत



अवसर पर जिले के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ सहभागिता निभाते हुए प्रदेश एवं राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा, सम्मान और समर्पण का भाव व्यक्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य शासकीय कार्य संस्कृति में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, एकता तथा सांस्कृतिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करना है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर प्रत्युष श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व स्तनपान सप्ताह का शुभारंभ माताओं को किया गया जागरूक



उमरिया। जिला चिकित्सालय उमरिया के एसएनसीयू (स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट) में विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को शिशु के समुचित पोषण, स्वास्थ्य और विकास

के लिए स्तनपान के महत्व से अवगत कराना था।कार्यशाला के दौरान नवजात एवं छोटे बच्चों के लिए जन्म के तुरंत बाद स्तनपान जागरूकता कार्यक्रम एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को शिशु के समुचित पोषण, स्वास्थ्य और विकास

विभिन्न प्रश्नों के विशेषज्ञों ने सरल एवं वैज्ञानिक तरीके से उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम का संचालन जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. ऋचा गुप्ता ने किया। इस अवसर पर शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सी.पी. शाक्य सहित मैटरनिटी विंग के चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। सभी ने माताओं को स्तनपान के स्वास्थ्य लाभ, संक्रमण से सुरक्षा, शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तथा माँ और बच्चे के बीच भावनात्मक संबंध मजबूत करने में इसकी भूमिका के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी माताओं को स्तनपान संबंधी उपयोगी जानकारी से युक्त पैम्फलेट एवं ब्रोशर वितरित किए गए तथा उन्हें शिशु के बेहतर स्वास्थ्य के लिए नियमित रूप से स्तनपान कराने का संदेश दिया गया।

राजनगर मंडल के नवनियुक्त एल्टरमैनो ने राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल से की मुलाकात

राजनगर। कोतमा विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी राजनगर मंडल में अंतर्गत आने वाले नगर परिषद बनगवां (राजनगर) एवं नगर परिषद डूमरकछार नगरीय निकायों में एल्टरमैनो की नियुक्ति सूची जारी होने के बाद राजनीतिक हलचलों में नया उत्साह देखने को मिल रहा है। नवमनोनीत एल्टरमैनो के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को कुटीर एवं ग्राम उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कोतमा विधायक दिलीप जायसवाल से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर मंत्री के निवास में आत्मीय स्वागत एवं उत्सव का माहौल रहा। मंत्री दिलीप जायसवाल ने सभी नवमनोनीत सदस्यों का मुंह मीठा करवाकर बधाई दी और उन्हें उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। मंत्री श्री जायसवाल ने सभी एल्टरमैनो से अपने-अपने नगरीय निकायों में जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण और विकास कार्यों को गति देने का जोरदार आह्वान किया। कोतमा विधानसभा क्षेत्र के विकास को नए आयाम देने के उद्देश्य से शासन द्वारा नगरीय निकायवार एल्टरमैनो की घोषणा की गई है। सूची जारी होते ही कार्यकर्ताओं और समर्थकों में भारी हर्ष की लहर दौड़ गई है। राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल से मुलाकात के दौरान सभी सदस्यों का आत्मीय अभिनंदन किया गया। मंत्री ने सम्बोधित करते हुए कहा कि यह पद केवल प्रतिष्ठा का विषय नहीं, बल्कि



जनसेवा की गुरुरत जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आप सभी को अपने-अपने क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु समर्पण भाव से कार्य करना होगा। मंत्री जी ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुलाकात के दौरान मंत्री दिलीप जायसवाल ने नवमनोनीत सदस्यों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि नगरीय क्षेत्रों में पेयजल, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और

बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। एल्टरमैन नगर पालिका और नगर परिषदों के अभिन्न अंग के रूप में परिषद की बैठकों में अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराएं। जनसमस्याओं के त्वरित और स्थाई समाधान हेतु निष्पक्ष होकर काम करना ही एक सजग जनप्रतिनिधि की पहचान होती है। राज्य सरकार क्षेत्र के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और संसाधनों की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी।

खबर संक्षेप



3 किलो गांजा और 3 जिंदा कारतूस मामले में आरोपी की जमानत खारिज

अनूपपुर। कोतमा थाना क्षेत्र में 3 किलो 58 ग्राम गांजा और 3 जिंदा कारतूस के साथ पकड़े गए आरोपी शिवा विश्वकर्मा को अदालत से राहत नहीं मिली है। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने आरोपी की जमानत याचिका निरस्त कर दी है। पुलिस के अनुसार 13 जुलाई को कोतमा-पथरौली टोल नाका स्थित नेशनल हाईवे-43 पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान ग्रैंड विटारा कार (एमपी-18-जेई-5709) का चालक पुलिस को देखकर भागने लगा। संदेह होने पर पुलिस ने पीछा कर वाहन को रोक लिया। तलाशी के दौरान कार से 3 किलो 58 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। इसके अलावा आरोपी के कब्जे से 0.32 एमएम के 3 जिंदा कारतूस भी मिले, जिनके संबंध में वह कोई वैध अनुज्ञप्ति प्रस्तुत नहीं कर सका। वाहन में आरोपी शिवा विश्वकर्मा के साथ रेखा उर्फ मनीषा गुप्ता भी मौजूद थी। पूछताछ के दौरान लिए गए मेमोरैंडम कथन में आरोपियों ने कई दिनों से मिलकर गांजा बेचने का काम करने की बात स्वीकार की। इसके आधार पर थाना कोतमा में अपराध क्रमांक 368/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 (बी) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 27 के अंतर्गत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। आरोपी शिवा विश्वकर्मा की ओर से प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत में जमानत आवेदन प्रस्तुत किया गया। शासन की ओर से जिला लोक अभियोजक कार्यालय के लोक अभियोजक पुष्पेंद्र कुमार मिश्रा ने जमानत का विरोध करते हुए मामले की गंभीरता, बरामदगी और जांच के तथ्यों को न्यायालय के समक्ष रखा। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश नरेन्द्र पटेल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की जमानत याचिका निरस्त कर दी। आरोपी 14 जुलाई से जिला जेल अनूपपुर में न्यायिक अभिरक्षा में निरूद्ध है।

अनूपपुर जिले के सभी पटवारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशव्यापी आंदोलन तेज, राजस्व कार्यों पर पड़ेगा असर



अंतिम चरण के तहत जिले के सभी तहसीलों के पटवारियों ने कार्य का पूर्ण बहिष्कार करते हुए मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को झांपन सौंपा और अपने बस्ते तथा राजस्व अभिलेख संबंधित तहसील कार्यालयों में जमा कर दिए। जिला पटवारी संघ अध्यक्ष चेतन सिंह मराठी ने बताया कि प्रदेशभर के पटवारी लंबे समय से अपनी जायज मांगों के निराकरण की मांग कर रहे हैं, लेकिन शासन स्तर पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इसके विरोध में मध्यप्रदेश पटवारी संघ के निर्देशानुसार अनूपपुर जिले के सभी पटवारियों ने सामूहिक रूप से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। पटवारी संघ ने शासन के समक्ष पांच प्रमुख मांगें रखी हैं कैडर रियू लागू कर पदेन्नति एवं समयमान वेतनमान का लाभ दिया जाए। नायब तहसीलद्वर की विभागीय परीक्षा का नियमित आयोजन किया जाए। पटवारियों को जज प्रोटेक्शन एक्ट के दायरे में शामिल किया जाए। विभिन्न शासकीय योजनाओं के लखित मानदेय एवं अन्य भुगतानों का शीघ्र भुगतान किया जाए। पटवारी संघ के पदाधिकारियों के स्थानांतरण नियमों के विरुद्ध किए गए तबादलों को निरस्त किया जाए। पटवारियों के कार्य बहिष्कार के कारण जिले में राजस्व विभाग से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित होने की संभावना है। नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, फसल संबंधी प्रतिवेदन, आय, जाति एवं निवास प्रमाण-पत्रों के लिए आवश्यक राजस्व प्रतिवेदन सहित अनेक सेवाओं की प्रक्रिया धीमी पड़ सकती है। इससे आम नागरिकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। पटवारी संघ का कहना है कि जब तक शासन उनकी पांच सूत्रीय मांगों पर संकारात्मक निर्णय नहीं लेता, तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी। संघ ने प्रशासन को आंदोलन की सूचना देते हुए आवश्यक कार्रवाई के लिए अवगत करा दिया है तथा शासन से शीघ्र वार्ता कर मांगों का समाधान निकालने की अपील की है।

अनूपपुर, कोतमा, बिजुरी, अमरकंटक, राजेन्द्रग्राम, जैतहरी

2 साल में पूरा होना था रेलवे ओवरब्रिज, 9 साल बाद भी नहीं मिली राहत

9 साल का इंतजार... आखिर किसकी लापरवाही की सजा भुगतती रही अनूपपुर की जनता ?

किसी भी शहर का विकास उसकी सड़कों, पुलों और आधारभूत सुविधाओं से आंका जाता है, लेकिन अनूपपुर का रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) वर्षों तक विकास की रफ्तार से ज्यादा सरकारी सुस्ती और प्रशासनिक लापरवाही की पहचान बना रहा। वर्ष 2016 में स्वीकृत और 2017 में शुरू हुई इस परियोजना को मात्र 24 महीने में पूरा करने का दावा किया गया था, लेकिन करीब नौ वर्षों तक यह परियोजना अधूरी रही। इस दौरान आम जनता ने केवल एक अधूरे पुल को नहीं देखा, बल्कि रोजाना जाम, धूल, कीचड़, टूटी सड़कें और प्रशासनिक दावों की हकीकत भी देखी। सरकारी दस्तावेजों में इस परियोजना को दो वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया था। लोगों ने उम्मीद की थी कि जल्द ही रेलवे फाटक की समस्या खत्म होगी और शहर को निर्बाध आवागमन मिलेगा। लेकिन समय बीतता गया, काम की गति धीमी होती गई और तय समय-सीमाएं केवल कागजों तक सीमित रह गईं। हर नई घोषणा के साथ लोगों की उम्मीदें बढ़ीं और हर नई देरी के साथ उनका भरोसा टूटता गया।

24 महीने का वादा, 9 साल का इंतजार... आखिर कहां अटक गई विकास की रफ्तार ?

आशीष द्विवेदी

अनूपपुर। रेलवे ओवरब्रिज जैसी महत्वपूर्ण परियोजना केवल किसी निर्माण एजेंसी या विभाग की जिम्मेदारी नहीं होती। ऐसी परियोजनाओं की नियमित समीक्षा करना और समय पर पूरा कराने के लिए जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। पिछले नौ वर्षों के दौरान जिले में कई मंत्री आए, कई विधायक बदले, जनप्रतिनिधियों ने अनेक मंचों से विकास के दावे किए, लेकिन रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण तय समय में पूरा नहीं हो सका। इन



वर्षों में जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले कई जनप्रतिनिधि सत्ता में रहे। चुनावी सभाओं में विकास के वादे किए गए, विभिन्न योजनाओं का उल्लेख हुआ, लेकिन शहर की सबसे बड़ी आधारभूत परियोजनाओं में शामिल रेलवे ओवरब्रिज वर्षों तक अधूरा पड़ा रहा। सवाल यह है कि क्या किसी जनप्रतिनिधि ने इस परियोजना की प्रगति की नियमित समीक्षा की? क्या देरी के कारणों को लेकर संबंधित विभागों से जवाब मांगा गया? जनता ने हर चुनाव में भरोसा जताया, लेकिन क्या जनप्रतिनिधियों ने जनता की इस सबसे बड़ी समस्या को प्राथमिकता दी? रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम से हर वर्ग प्रभावित होता रहा। छात्र, व्यापारी, कर्मचारी, मरीज और ग्रामीण वर्षों तक परेशान होते रहे। यह समस्या किसी एक विभाग की नहीं थी, बल्कि पूरे जिले के विकास से जुड़ा मुद्दा थी। ऐसे में जनता अब यह भी जानना चाहती है कि उसके चुने हुए



प्रतिनिधियों ने इस परियोजना को समय पर पूरा कराने के लिए क्या प्रयास किए। विकास का श्रेय लेने से पहले देरी की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। जब कोई बड़ी परियोजना पूरी होती है तो उसके उद्घाटन और श्रेय लेने की होड़ दिखाई देती है। लेकिन यदि वही परियोजना वर्षों तक अधूरी रहे, लागत बढ़ जाए और जनता लगातार परेशान होती रहे, तो केवल उपलब्धि का श्रेय ही नहीं, बल्कि देरी की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। लोकतंत्र में जवाबदेही केवल अधिकारियों की नहीं, बल्कि जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों की भी होती है। जनता का सवाल क्या भविष्य में ऐसी परियोजनाओं की नियमित समीक्षा होगी या फिर कोई और योजना भी वर्षों तक फाइलों और अधूरे निर्माण के बीच अटकी रहेगी? अनूपपुर की जनता अब सिर्फ यह नहीं देखना चाहती कि पुल बन गया, बल्कि यह भी जानना चाहती है कि नौ वर्षों तक चली देरी से

क्या सबक लिया गया। क्या भविष्य में सांसद, विधायक, मंत्री और संबंधित विभाग मिलकर ऐसी परियोजनाओं की समयबद्ध समीक्षा करेंगे, ताकि जनता को वर्षों तक परेशानी न झेलनी पड़े? यही सवाल आज हर नागरिक के मन में है।

21 करोड़ से बढ़कर करीब 30 करोड़... आखिर अतिरिक्त खर्च की जिम्मेदारी किसकी ?

परियोजना की प्रारंभिक लागत लगभग 21 करोड़ रुपये थी, लेकिन वर्षों की देरी के कारण यह बढ़कर करीब 30 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। यह पैसा किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि जनता के टैक्स का है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि अतिरिक्त करोड़ों रुपये खर्च होने के पीछे जिम्मेदार कौन है? यदि परियोजना समय पर पूरी होती तो क्या यह अतिरिक्त खर्च बचाया जा सकता था?

हर दिन जाम, हर दिन परेशानी...सबसे ज्यादा आम नागरिक हुए परेशान

रेलवे फाटक बंद होते ही शहर की रफ्तार थम जाती थी। सुबह और शाम के समय लंबी-लंबी वाहन कतारें लग जाती थीं। छात्र-छात्राएं स्कूल और कॉलेज देर से पहुंचते थे। नौकरीपेशा लोग समय पर अपने कार्यालय नहीं पहुंच पाते थे। व्यापारियों का कारोबार प्रभावित होता था और मरीजों को अस्पताल पहुंचने में भारी दिक्कत होती थी। कई बार एंबुलेंस भी जाम में फंसने की घटनाएं सामने आईं। बरसात में कीचड़ और गर्मियों में उड़ती धूल ने लोगों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दीं।

जादू-टोना के शक में बड़ी मां की निर्मम हत्या, दो भतीजों पर हत्या का मामला दर्ज

भेलमा गांव में खून से लथपथ

मिला था 65 वर्षीय वृद्धा का शव एफएसएल ने जुटाए साक्ष्य, आरोपी फरार

अनूपपुर। जिले के जैतहरी थाना अंतर्गत पुलिस सहायता केंद्र वैकटनगर क्षेत्र के ग्राम पंचायत भेलमा में 65 वर्षीय वृद्धा की हत्या के मामले में पुलिस जांच में बड़ा खुलासा सामने आया है। सोमवार सुबह खून से लथपथ हालत में मिले शव की जांच के बाद पुलिस ने मृतका के दो भतीजों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार प्रारम्भिक जांच में हत्या के पीछे जादू-टोना का संदेह प्रमुख वजह के रूप में सामने आया है। जानकारी के अनुसार ग्राम भेलमा के सेजहाई टोला निवासी रामबाई गौड़ (65 वर्ष), पति स्वर्गीय सुद्ध सिंह गौड़ का शव सोमवार सुबह उनके घर के पास खून से लथपथ अवस्था में मिला था। घटना की सूचना मिलते ही जैतहरी थाना प्रभारी गोकुलानंद पांडेय तथा वैकटनगर चौकी प्रभारी प्रवीण साहू पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को बुलाया गया, जिसने घटनास्थल का वैज्ञानिक परीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए।



पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतका के भतीजे फूल सिंह और सुरेश सिंह अपनी बड़ी मां पर जादू-टोना करने का संदेह करते थे। इसी आशंका के चलते दोनों ने कथित रूप से इस वारदात को अंजाम दिया। जांच के दौरान मिले तथ्यों के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार घटना से पहले मृतका के परिजनो ने दोनों आरोपियों के खिलाफ जैतहरी थाने में लिखित शिकायत भी की थी। पुलिस अब उस शिकायत, घटनास्थल से मिले वैज्ञानिक साक्ष्यों तथा अन्य तथ्यों के आधार पर पूरे मामले

की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से जुटाए गए वैज्ञानिक साक्ष्यों और एफएसएल रिपोर्ट के आधार पर मामले के सभी पहलुओं की पुष्टि की जाएगी। फिलहाल हत्या के हर संभावित कारण की जांच की जा रही है। पुलिस ने नामजद आरोपी फूल सिंह और सुरेश सिंह की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज किया है। आरोपों की अंतिम पुष्टि न्यायालय में साक्ष्यों और सुनवाई के आधार पर होगी।

दीक्षारंभ समारोह में नवागत विद्यार्थियों का हुआ भव्य स्वागत



अनूपपुर। संस्कार लॉ कॉलेज, अनूपपुर में नए शैक्षणिक सत्र के अवसर पर दीक्षारंभ सह नवागत छात्र अभिनंदन समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें विधिक शिक्षा के महत्व, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया गया। समारोह में महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों एवं प्राध्यापकों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आनंद कुमार द्विवेदी ने नवागत विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि कानून की पढ़ाई केवल एक डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में न्याय, सत्य और संवैधानिक मूल्यों की स्थापना का दायित्व भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से परिश्रम, अनुशासन और नैतिकता को देखते हुए एफएसएल टीम को बुलाया गया, जिसने घटनास्थल का वैज्ञानिक परीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए।

आवरण के साथ अध्ययन कर अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने का आह्वान किया। समारोह के दौरान नए एवं वरिष्ठ विद्यार्थियों के बीच आत्मीयता और आपसी परिचय को मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने गीत, संगीत एवं अन्य रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिससे पूरे परिसर में उत्साह और उल्लास का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम के सफल संचालन में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्यासागर मांझी, रविंद्र कुमार यादव, श्रीमती सरिता चौरसिया, अमय शर्मा एवं पुष्पेंद्र पटेल ने पूरे आयोजन का कुशल निर्देशन एवं संचालन किया। वहीं व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संपन्न कराने में राम नरेश केवट, लखन लाल केवट, रवि कुमार केवट, कृ. शिवांगी गुप्ता, सुनील कुशवाहा, सुखमणि एवं शिवपाल का विशेष सहयोग रहा। समारोह के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। धन्यवाद झांपन एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का गरिमामय समापन हुआ।

केसवाही रोड पर पुलिस की घेराबंदी, डेढ़ लाख की गांजा खेप के साथ तस्कर गिरफ्तार कोतमा पुलिस की रात्रिकालीन पेट्रोलिंग में बड़ी सफलता, बाइक व मोबाइल भी जब्त

कोतमा। जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतमा पुलिस ने एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए एक गांजा तस्क़र को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 1 किलो 168 ग्राम गांजा, एक पल्सर मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन जब्त किया

गया है। जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत करीब 1.45 लाख रुपये बताई गई है। पूछताछ में आरोपी ने गांजा शहडोल जिले के एक व्यक्ति से खरीदकर लाने की बात स्वीकार की है, जिसके आधार पर पुलिस अब पूरे नेटवर्क की जांच में जुट गई है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी कोतमा के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई रात्रिकालीन रोड पेट्रोलिंग के दौरान की गई। थाना प्रभारी कोतमा को विश्वसनीय मुख़बिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से केसवाही की ओर से अवैध गांजा लेकर कोतमा आ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने केसवाही रोड पर घेराबंदी की। इस दौरान देवगांव तिराहे के पास संदिग्ध बाइक चालक ने पुलिस वाहन को देखकर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने पीछा कर मुड़धावा तिराहे के पास उसे दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम दिनेश महारा (50 वर्ष), निवासी ग्राम सेमरिया टोला, जामगांव बताया। पूछताछ में उसने मोटरसाइकिल की डिककी में गांजा रखा होना स्वीकार किया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके कब्जे से 1 किलो 168 ग्राम गांजा (अनुमानित कीमत 15 हजार रुपये) एक मोबाइल फोन एक पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की। कुल जम्ती की अनुमानित कीमत 1 लाख 45 हजार रुपये आंकी गई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह यह गांजा नन्धू लाल साहू, निवासी ग्राम झीरिया, थाना बुढारा, जिला शहडोल से खरीदकर लाया था। पुलिस इस जानकारी के आधार पर गांजा तस्क़री के पूरे नेटवर्क और अन्य आरोपियों की तलाश में जुट गई है। आरोपी के विरुद्ध थाना कोतमा में धारा 8/20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रत्नांबर शुक्ला के नेतृत्व में उपनिरीक्षक विनय सिंह, प्रधान आरक्षक सुनील मिश्रा, प्रधान आरक्षक संजय द्विवेदी, आरक्षक विकास तथा महिला आरक्षक प्रमिला मोरे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

